उत्तर-

मानव अपने पर्यावरण के साथ क्रिया करता है और उसमें अपनी आवश्यकतानुसार परिवर्तन करता है। प्रारंभिक मानव ने स्वयं को प्रकृति के अनुरूप बना लिया था। उनका जीवन सरल था। आस-पास की प्रकृति से उसकी आवश्यकताएँ पूरी हो जाती थीं। मानव ने पर्यावरण के उपयोग और उसमें परिवर्तन करने के कई तरीके सीख लिए। उसने फ़सल उगाना, पशु पालना एवं स्थायी जीवन जीना सीख लिया। पहिये का आविष्कार हुआ। आवश्यकता से अधिक अन्न उपजाया गया, वस्तु-विनिमय पद्धति का विकास हुआ। व्यापार आरंभ हुआ एवं वाणिज्य का विकास हुआ। औद्योगिक क्रांति से बड़े पैमाने पर उत्पादन प्रारंभ हो गया। परिवहन तेज़ गति से प्रारंभ हुआ। सूचना क्रांति से पूरे विश्व में संचार सहज़ और द्रुत हो गया। यातायात के आधुनिक साधनों का विकास हुआ जिससे दुनिया के लोग एक-दूसरे के निकट आ गए। इन नई गतिविधियों ने मनुष्य एवं पर्यावरण के बीच संतुलन को बिगाड़ कर रख दिया है।

प्रश्न 1. प्रारंभिक मानव का जीवन कैसा था?

उत्तर-

प्रश्न 2. मानव ने कौन-से तरीके सीख लिए?

उत्तर-

प्रश्न 3. प्रारंभिक मानव ने अपने जीवन में किस तरह के बदलावों को लाकर अपना जीवन उन्नत बनाया?

उत्तर-

प्रश्न 4. औद्योगिक क्रांति का क्या परिणाम निकला?

उत्तर-

प्रश्न 5. मनुष्य और पर्यावरण के बीच का संतुलन क्यों बिगड़ा?

उत्तर-